We have with us this morning, seated in the Sepcial Box, members of a Parliamentary Delegation from the Republic of Korea which is currently on a visit to our country under the distinguished leadership of His Excellency Mr Jyun Kyu Park, Speaker of the National Assembly of the Republic of Korea

On behalf of the Members of the House and on my own behalf I take pleasure in extending a very hearty welcome to the Leader and other members of the delegation and wish our distiguished guests a very enjoyable and fruitful stay in our country. We hope that during their stay here they would be able to see and learn more about our parliamentary system, our country and our people and their visit to this country will further strengthen the friendly bonds that exist between us Through them we convey our greetings and best wishes to the members of the National Assembly and the friendly people of the Republic of Korea

---

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

—Contd

Chemicals developed by ONGC

*142 SHRI RAMDAS AGARWAL Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state

(a) whether ONGC has recently developed technology at one of its R&D Institutes in respect of certain chemicals which are being imported at present,

(b) if so, what are the details thereof and whether Government propose to involve private enterpreneurs in this regard indicating status of such projects,

(c) what is the annual requirement for such chemicals developed by the R&D Institute and also demand for FCLS and resinex for the current year indicating the cost involved; and

(d) what is the likely saving of foreign exchange with the availability of indigenously developed chemicals?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA): (a) Yes, Sir.

(b) KDMIPE, ONGC has developed in collaboration with IIT Delhi the following two chemicals

(1) Hydroxy Propyl Guargum (HP Guargum)

(2) Hydroxy Ethyl Cellulose (HEC)

It is proposed to involve private entrepreneurs in commercial development of the above chemicals In respect of Hydroxy Propyl Guargum (HP guarum), efforts are being made to contact interested private entrepreneurs for developing commercial utilisation of the product As regards Hydroxy Ethyl Cellulose (HEC), ONGC has already entered into a contract with two private entrepreneurs for transfer to knowhow and commercialisation of the product

(c) The annual requirement in respect of the above two viscosifiers in various production operations would be around 150—200 tons, depending on frequency of operation The demand for FCLS and resinex for the current year is approximately 4,000 MT and 1300 MT respectively, valued at Rs 3 8 crores and Rs 2 34 crores respectively

(d) The likely savings of foreign exchange as a result of development of hydroxy propyl guargum and hydroxy ethyl cellulose would be around Rs 1 crore annually It is estimated that this along with the availability of chemicals developed indigenously earlier would account for an annual savings in terms of foreign exchange of approximately Rs 60 crores

श्री रामदास अग्रवाल : सभापति महोदय मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है उसमें यह कहा है कि केमिकल्स के दो आइटम्स है, एच पी गौरगम और एच० ई० सी० जिनके बारे में अनुसंधान करके

भारतीय तकनीक का विकास किया है, लेकिन मैं मत्री महोदय का ध्यान एक समाचार पत्र की ओर आकर्षित करना चाहूगा जिसमे 10 नम्बर को यह प्रकाशित किया गया था कि लगभग 10 ऐसे आइटम्स है जो इम्पोर्ट किये जाते है । ओ०एन०जी०सी० द्वारा आर एड डी के माध्यम से कुछ ऐसे रसायन विकसित किये गये है जिनका इम्पोर्ट बद हो सकता है । लेकिन मत्री महोदय ने केवल दो रसायनो का नाम लिया है जब कि उसमे 10 रसायन है । तो मैं यह जानना चाहता हू कि वास्तविकता क्या यही है कि केवल दो रसायनो पर हमने अभी तक अनुसंधान किया है और हमारा आर एड डी केवल दो रसायन ऐसे उपलब्ध करा सका जो इडियन तकनीकी से विकसित हुए है । बाकी जो नाम है उसमे फैरोक्रोमो, लिगो सल्फेट, फिल्ट्रेशन लास कट्रोलिंग एजेट, लो टेम्परेचर रेटाल्डर आयल बेस मड क्ले ई०पी० लुब्रीकेट्स, स्वलिंग ट्रासड्यूसर एड थ्रीड डाप कंपाउड्स ये कैमिकल्स है जो आर ड डी ने विकसित किये है या नही इसके सबध में मत्री महोदय ने कोई उत्तर नही दिया है । दूसरी बात यह है कि, केवल दो कट्रैक्ट किये गये हैं, प्राइवेट इटरप्रोनर्स के साथ जब कि समाचार पत्री मे यह कहा गया है कि 10 इटरप्रोनर्स के साथ ओ०एन०जी०सी० ने कट्रेक्ट किया है, जिसमे उन्होने प्राइवेट इटरप्रोनर्स को रायल्टी के आधार पर यह तकनीकी ज्ञान दिया है जिससे वे उद्योग लगा सकें । मै यह भी जानना चाहूगा कि वास्तव मे 10 कट्रैक्ट हुए है या दो कट्रैक्ट हुए है ? मत्री महोदया से मै यह भी जानना चाहता हू कि पिछले जो कट्रैक्ट किये गये थे, मैने इस प्रश्न के माध्यम से यह भी जानना चाहा था कि जो कटैक्ट किये जाते है उन पर कभी किसी प्रकार मे समय समय पर क्या रिव्यू किया जाता है कि उनका परफारमेस क्या है ? कब किस प्रकार से इसकी जाच की जाती है ? किस तरह से सतोष होता है कि जो कट्रैक्ट किये गये है और जो कैमिकल्स इपोर्ट किये जा रहे है तो जो सप्लायर है वह वास्तव मे सप्लाई करता हैया नही करता है, यह भी मैं मत्री महोदय से जानना चाहूगा?

श्री सत्य प्रकाश मालवीय . माननीय सभापति जी, जहा तक पहला प्रश्न है जो समाचार पत्रो मे छपा है पूर्णरूप से सत्य नही है । इसके लिये माननीय सदस्य से मैं अनुरोध करूगा कि वे इस समाचार पत्र को हमारे पास भिजवा दे मैं उसके दिशा वाकर उनको पूरा उत्तर दे दूगा ।

दूसरा हाइड्रोकसी प्रापाइल और हाइड्रोकसी इथाइल इसके सिलसिले मे मुझे यह कहना है कि केवल ये ही दो ऐसे रसायन है जिनको विकसित किया गया है।

श्री रामदास अग्रवाल : सभापति महोदय, मैं माननीय मत्री जी से जानना चाहता हू कि कुछ ऐसी फर्म्स हैं जिन्होने कट्रैक्ट किया है लेकिन सप्लाई नही की है । तो उनके बारे मे क्या सरकार कोई ऐसा विचार नही कर रही है कि जो सप्लाई नही करते है और जिनका कट्रैक्ट वर्षो से बराबर चला आ रहा है उनके विरूद्ध कार्यवाही करे ? क्योकि जो रिपोर्ट मिली है, जो आयल इडस्ट्रियल डेवलपमेट बोर्ड ने निकाली है, उसके अध्ययन से पता चलता है कि कई ऐसी फर्मों से कट्रैक्ट किये गये है जिन्होने सप्लाई नाम नाम मात्र की भी नही की है । तो मैं जानना चाहता हू कि मंत्री जी कृपा करके यह बतायें कि उन फर्मो के विरूद्ध, जो सप्लाई नही कर पाते है और ठेका ले लेते है, वे क्या कार्यवाही करने की सोच रहे है ?

श्री सत्य प्रकाश मालवीय इकरारनामा हर कपनी के साथ होता है और यदि वे इकरारनामे की पूर्ति नहीं करते हैं तो निश्चितरूप से उसको हम रिव्यू करते है और रिव्यू करने के बाद आवश्यक कार्यवाही करते है ।

Measures to Combat AIDS

*143 PROF SOURENDRA BHATTACHARJEE

SHRI PRAMOD MAHAJAN.†

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

†The question was actually asked on the floor of the House by Pramod Mahajan